वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 322 | बुधवार 22 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

हैरिटेज निगम की शहरवासियों को सोगात

प्लास्टिक की बोतलों के निस्तारण हेतु 2 शड्डर मशीनें स्थापित

एक हजार बोतलें रोज हो सकेगी निस्तारित, प्लास्टिक की बोतलों से फैलने वाले कचरे से मिलेगी निजात : हैरिटेज महापौर

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्वावलम्बन की सीईओ स्मृति गुप्ता ने कहा कि इस मशीन से प्रतिदिन लगभग 500 बोतलें क्रश की जा सकती है व क्रश की गई बोतलों के प्लास्टिक दाने को सड़क बनाने घरेलू व कार्यालय उपयोग के बहुरंगी व आकर्षक फर्नीचर व अन्य सामान बनाने में उपयोग किया जा सकता है ।

कोल्ड ड्रिंक, एनर्जी ड्रिंक व पानी की प्लास्टिक की बोतलें इस्तेमाल करने के बाद नागरिक व पर्यटक कहीं भी डाल देते थे जो शहरवासियों के साथ-साथ निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिये परेशानी का सबब था परन्तु अब इनके निस्तारण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। हैरिटेज निगम महापौर मुनैश गुर्जर की शहर को स्वच्छ व सुन्दर बनाने की मुहिम को देखते हुए देश के एक प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संगठन (एनजीओ) ''स्वावलम्बन'' ने सीएसआर के तहत 2 प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनें हैरिटेज नगर निगम को भेंट की है। हैरिटेज महापौर मुनैश गुर्जर ने मंगलवार को निगम मुख्यालय के मुख्य द्वार पर प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीन ''शड्डर'' को शहरवासियों को समर्पित किया । दूसरी मशीन गुर्जर के निर्देश पर जलमहल की पाल पर इन्दिरा रसोई के पास पर्यटकों के प्रतिदिन

के अधिक आवागमन व हाट बाजार में आने वाले नागरिकों एवं पर्यटकों को अपनी प्लास्टिक बोतलों के निस्तारण की सहूलियत प्रदान करने व जलमहल में लोग प्लास्टिक की बोतलें न डालें, की मंशा से स्थापित करवाई गई है। दूसरी मशीन का शुभारम्भ पार्षद अख्तर हुसैन ने किया। महापौर गुर्जर ने बताया कि यह मशीन हैरिटेज मुख्यालय के गेट के बाहर, हवामहल के टिकट काउंटर के सामने इसलिए लगाई गई है क्योंकि हवामहल में प्रतिदिन हजारों पर्यटक घूमने आते हैं व निगम मुख्यालय में सैंकड़ों नागरिक निगम संबधी कार्यों के लिए आते हैं व आजकल प्लास्टिक की बोतल में पानी लेकर चलना पर्यटकों के साथ-साथ औसत व्यक्ति की आदत में शुमार है लेकिन पानी खत्म होते ही लोग इन बोतलों को कहीं भी फैंक देते हैं जिससे कचरा फैलता है। ऐसे में यह मशीन हवामहल घूमने आने वाले पर्यटकों व निगम में आने वाले नागरिकों के द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली बोतलों को क्रश कर सकेगी । आयुक्त विश्राम मीणा ने उपायुक्त स्वास्थ्य को निर्देश दिये कि इन बोतलों के क्रश होने के बाद प्लास्टिक के दाने को संग्रहित किया जाये ताकि इसे रिसाईकल के लिए उपयोग में लिया जा सके । स्वावलम्बन की सीईओ स्मृति गुप्ता ने कहा कि इस मशीन से प्रतिदिन लगभग 500 बोतलें क्रश की जा सकती है व क्रश की गई बोतलों के प्लास्टिक दाने को सड़क बनाने घरेलू व कार्यालय उपयोग के बहुरंगी व आकर्षक फर्नीचर व अन्य सामान बनाने में उपयोग किया जा सकता है। इस अवसर पर उपायुक्त स्वास्थ्य आशीष कुमार, महापौर के विशिष्ठ सहायक उम्मेद सिंह व उप निदेशक, जन सम्पर्क मोती लाल वर्मा उपस्थित रहे।

नॉर्दन रीजन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन , नॉर्दन रीजन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का रीजन फाउंडर चेयरमैन राकेश जैन द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। सत्र 2023-25 के लिए निर्वाचित चेयरमैन महेंद्र सिंघवी ने अपने आगामी कार्यकाल की योजनाओं की जानकारी दी।इस अवसर पर इंटरनेशनल डायरेक्टर सी. एस. जैन, महेंद्र गिरधरवाल सहित वाईस चेयरमैन रविंद्र बिलाला, नरेश जैन, जॉइंट सेक्रेटरी डॉ राजीव जैन , राजकुमार जैन और कोषाध्यक्ष मनोज जैन मौजूद रहे।सचिव (2023-25) सिद्दार्थ जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यूरोपियन छात्र-छात्राओं ने किये दिगम्बर जैन मन्दिर के दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

युरोप के विभिन्न देशो के छात्र छात्राओ का एक समूह अभी जयपुर मे भारतीय भाषा हिन्दी का ज्ञानोपारजन कर रहा है। इस युरोप वासी ग्रुप ने श्री दिगम्बर जैन मन्दिर यशोदा नन्द जी (जयपुर के मुख्य बाजार चौडा रास्ता स्थित) में देव दर्शन किए । ग्रुप के छात्र छात्रा ओ का मंदिर मंत्री श्री सुदीप बगडा ने स्वागत किया मंदिर उपाध्यक्ष डॉ. णमोकार जैन दीवान ने श्री जी की प्रतिमाओं के दर्शन कराए एवं चिन्ह आदि की जानकरी दी तथा उनकी जिज्ञासाओं का जर्मन/ हिंदी /अंग्रेजी भाषा मे समाधान किया। ग्रुप के सदस्यों ने विशेष रूप से अपने उदबोधन में मुक्त कंठ से प्रसंशा करते हुए मंदिर जी में शांति और दिवारों पर चित्रांकन की विशेष रूप से प्रशंसा की व दर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने सुजाव दिया की इस तरह के दर्शन कार्यक्रम भमर्णानार्थीयों के लिए उपयोगी रहेंगे।इस ग्रुप का संचालन इंडो युरोपियन सोसयटी जयपुर के तत्वाधान में प्रोफेसर पवन सुराना के नेतृत्व मे डॉ हेमन्त अग्रवाल कर रहे हैं।

महासमिति का शपथग्रहण, सम्मान एवं होली मिलन समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल का शपथग्रहण ,सम्मान एवं होली मिलन समारोह इन्द्र लोक सभागार भवन भट्टारक जी की नसियां में रखा गया।इस अवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री के चुनाव के लिए राष्ट्रीय वरिष्ठ कार्यध्यक्ष महेन्द्र पाटनी ने महावीर जैन बाकलीवाल का नाम प्रस्तावित किया जिसका उपस्थित सभी सदस्यों ने हाथ उठाकर समर्थन कर अंचल महामंत्री को निर्विरोध चुना गया। इसी प्रकार कोषाध्यक्ष पद के लिए रमेश सौगानी का नाम सुरेन्द्र जैन पांड्या ने प्रस्तावित किया जिसका उपस्थित सभी सदस्यों ने हाथ उठाकर समर्थन कर रमेश सौगानी को निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर अनिल जैन आईपीएस रिटायर्ड अध्यक्ष ने बताया महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष-अशोक बडजात्या, महामंत्री-सुरेन्द्र पाण्डया -वरिष्ठ कार्याध्यक्ष महेंद्र पाटनी ,राष्ट्रीय संयुक्त मन्त्री डॉ राजेंद्र जैन एवं मेडिकल संयोजक निर्मल संघी, मार्ग दर्शक नवीन सेन जैन अन्य समाज श्रेष्ठीजन की गरिमा मयी उपस्थिति रही। दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ समाज श्रेष्ठी उत्तम कुमार पाण्डया द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर एंव समाज श्रेष्ठी अनिल सुरासाही (मालपुरा) तथा विनोद कुमार ठोलिया (जय जवान) द्वारा चित्र अनावरण कर किया गया। इस अवसर पर महासमिति राजस्थान अंचल से जुड़े अगस्त 2022 के बाद महासमिति परिवार में जुड़ने वाले सभी संरक्षक, विशिष्ट सदस्यों का सम्मान किया। साथ ही सभी संभाग के पदाधिकारियों का सम्मान किया। अध्यक्ष अनिल जैन ने नवीन कार्य कारिणी समिति की घोषणा की। अवनि से अम्बर स्मारिका का लोकार्पण राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बड़जात्या इन्दौर एवं उपस्थित सभी अतिथियों ने किया। **मंच संचालन मनीष बैद ने किया।**

मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा...

सज्जन पुरुषों को अशुभ कर्म का उदय नहीं होता

ज्ञानोदय तीर्थ अजमेर कमेटी ने किए श्री फल भेंट

महरौनी. शाबाश इंडिया। जगत में गुणों की प्रशंसा होती है गुणसो प्रमोदंम गुणो के प्रति अनुराग होना चाहिए हमे गुणो के प्रति आमोद भाव होना चाहिए लेकिन जिन्हें गुण भी दोष दिखता है मह महा दोष कहलाता है अरे भाई जो भगवान सिद्धालय जा चुके उन की भी हम बुराई कर रहे है तो ऐसे लोगों को जव कर्म की मार पड़ती है उसे कोई नहीं बचता संज्जन पुरुषों के कभी अशुभ कर्म का उदय होता ही नहीं है चौथे गुण स्थान के ऊपर अयश कीर्ति कर्म का उदय होता ही नहीं है। उक्त आश्य केउद्गार यशोदय तीर्थ महरौनी में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी ने व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि आज बहुउद्देशीय ज्ञानोदय तीर्थ अजमेर कमेटी ने परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी के चरणों में श्री फल भेंट कर ज्ञानोदय तीर्थ अजमेर चातुर्मास का निवेदन किया इस दौरान मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने कहा कि ज्ञानोदय तीर्थ भी खांडप्रस्थ ही था जिसे आप लोग इन्द्रप्रस्थ वनाने में लगे हैं हमें तो हर जगह ही खांडप्रस्त मिलते हैं उसे इन्द्रप्रस्थ वनाने की प्रेरणा देते हैं। ज्ञानोदय तीर्थ अजमेर एक बहुउद्देशीय तीर्थ है आप लोगों ने अस्सी प्रतिशत काम किया है हमारी दृष्टि वीस प्रतिशत की ओर है सौ में से सौ नम्बर आना चाहिए तव तो कोई बात है इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष मनीष गदिया निर्माण संयोजक एन के वेद कोषाध्यक्ष मिश्री गदिया वीरेंद्र जैन अनिल गदिया सहित सभी सदस्यों ने श्री फल भेंट किए।इस दौरान यशोदय तीर्थ कमेटी के महामहिम व शिरोमणि संरक्षण की घोषणा प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भईया ने की।

आदिनाथ से महावीर तक घर-घर मंगलाचार

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर व त्रिशला संभाग, दुर्गापुरा के संयुक्त तत्वावधान में भगवान आदिनाथ से भगवान महावीर जयंती तक दुगार्पुरा के घर-घर मंगलाचार कार्यक्रम के तहत यह आयोजन डां.एम.एल जैन 'मणि' के निवास पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य आयोजिका श्रीमति चन्दा सेठी थी,जिनके सफल निर्देशन में यह सफल आयोजन डां शान्ति जैन 'मणि' एवं डां अलका जैन ने सम्पादित किया। इस आयोजन के सहयोग कर्ता डॉ. मनीष जैन 'मणि'थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन श्रीमति प्रेमदेवी निमोडिया के द्वारा किया गया।इसके बाद संगीतमय नमोकार की माला से शुरूआत हुई। सभी सदस्यों ने बडे भक्तिभाव से नमोकार का पाठ किया। इसके बाद भक्तामर का संगीतमय पाठ किया गया।भगवान के पालने झुलाने का कार्य इस आयोजन का मुख्य आकर्षण का केन्द्र था ।बारी-बारी से सभी सदस्यों ने पालना झुलाकर पुण्यार्जन किया। अन्त में भगवान आदिनाथ व महावीर पर अनेक भजन गाये गये जिसमें मुख्य भूमिका निभाई श्रीमति सुशीला काला ने।

विश्व वानिकी दिवस 2023 मनाया गया : सुधीर शर्मा

सीकर. शाबाश इंडिया

आक्सीजन जन आंदोलन एक व्यक्ति एक पेड़ अभियान के तहत आज राजकीय प्राथमिक विद्यालय गुर्जरों की ढाणी बलारां में विश्व वानिकी दिवस मनाया गया इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक मांगीलाल गुर्जर अध्यापक सुभाष गुर्जर वृक्षामित्र श्रवण कुमार जाखड़ देवी लाल सैनी मोनिका छात्रा अध्यापिका पंकज सहित विद्यालय के समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

वृक्ष मित्र श्रवण कुमार जाखड़ ने विश्व वानिकी दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पेड़ों के महत्व के विषय में जन जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व वानिकी दिवस मनाया जाता है इस श्रृंखला में आज राजकीय प्राथमिक विद्यालय गुर्जरों की ढाणी बलारां में वृक्षारोपण किया गया तथा सभी उपस्थित सदस्यों को पर्यावरण बचाने की शपथ दिलाई गई जिस तरह से मनुष्य ने अपने लालच की पूर्ति के लिए जंगलों का वध करना शुरू किया उससे जलवायु परिवर्तन ग्लोबल वार्मिंग ग्लेशियर का पिघलना जैसी विकट समस्या शुरू हुई है अगर हमने अभी भी ध्यान नहीं दिया तो समस्त प्रकृति व जीव खतरे में पढ़े जाएंगे किसी व्यस्क व्यक्ति को जिंदा रहने के लिए जितनी ऑक्सीजन की आवश्यकता रहती है वह उसे 16 बडे बडे पेड़ों से मिल सकती है लेकिन पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से उनकी संख्या दिनों दिन कम होती जा रही है अतः प्रत्येक व्यक्ति को हर वर्ष एक पेड़ लगाना चाहिए विद्यालय के प्रधानाध्यापक मांगीलाल गुर्जर ने विश्वास दिलाया कि विश्व वानिकी दिवस पर लगाए गए पेड़ पौधों की समुचित सुरक्षा की जाएगी तथा भविष्य में और पेड़ लगाने के लिए जन जागृति करने का प्रयास किया जाएगा कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के अध्यापक सुभाष गुर्जर ने वृक्ष मित्र श्रवण कुमार का आभार व्यक्त किया।

आगमज्ञाता समकितमुनिजी म.सा. का सारसा में पूज्य साध्वी विनयप्रभाजी से मंगल मिलन

विहार यात्रा में मुनिश्री गुरूवार को पहुंचेंगे वड़ोदरा

वड़ोदरा. शाबाश इंडिया। मेरठ से पूना के लिए विहार यात्रा पर निकले श्रमणसंघीय सलाहकार सुमतिप्रकाशजी म.सा. के सुशिष्य आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा मंगलवार को गुजरात के उमरेठ से विहार कर सारसा पहुंच गए। सारसा में पूज्य समकितमुनिजी म.सा., भवान्तमुनिजी म.सा. एवं जयवंतमुनिजी म.सा. आदि ठाणा का उप प्रवर्तिनी संथारा साधिका श्री चरित्रप्रभाजी म.सा. की सुशिष्या सेवाभावी साध्वी श्रीविनयप्रभाजी म.सा. एवं साध्वी नमिताश्रीजी म.सा. आदि ठाणा से मंगल मिलन हुआ। इस दौरान परस्पर अभिवादन हुआ। साध्वीजी ने पूज्य समकित मुनिजी म.सा. आदि ठाणा की वंदना करते हुए धर्म चर्चा की। इस दौरान मुनिश्री ने साध्वीवृन्द की जिनशासन की आराधना एवं धर्मप्रभावना की सराहना करते हुए उनके लिए मंगलकामना व्यक्त की। विहार यात्रा के दौरान एवं सारसा में कई श्रावक-श्राविकाओं ने पूज्य समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। चित्तौड़गढ़ से सुश्रावक कमल बोहरा एवं भीलवाड़ा से सुश्रावक अनिल खारीवाल ने दर्शनों का लाभ लेने के साथ मुनिश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। विहार यात्रा के तहत पूज्य मुनिश्री के बुधवार 22 मार्च को औंकारतीर्थ एवं 23 मार्च को वड़ोदरा पहुंचने के भाव है। पूज्य समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा की मार्च अंत तक सूरत पहुंच वहां विराज रहे श्रमणसंघीय आचार्य सम्राट श्रीशिवमुनिजी म.सा. के दर्शन की भावना है। पूज्य समकितमुनिजी के सानिध्य में महाराष्ट्र के नासिक में 23 अप्रेल को अक्षय तृतीया पर वर्षीतप पारणा महोत्सव होंगा। उनका वर्ष 2023 का चातुर्मास पूना के आदिनाथ जैन स्थानक भवन के लिए घोषित है।

प्रागैतिहासिक नवागढ़ में मूलनायक अरनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव श्रद्धा पूर्वक मनाया

मूलनायक अरनाथ भगवान का निर्वाण लाडू श्रद्धा पूर्वक चढ़ाया गया

ललितपुर. शाबाश इंडिया। विश्व के एक मात्र अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में भगवान अरनाथ स्वामी निर्वाण महोत्सव निर्वाण लाडू 21 मार्च 2023, मंगलवार को ब्र. जयकुमार निशांत भैया के निर्देशन में श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया जाएगा। प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ललितपुर ने बताया कि प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में अतिशयकारी श्री अरनाथ स्वामी के आशीष तले इस वर्ष श्री भगवान अरनाथ स्वामी का निर्वाण महोत्सव का मांगलिक कार्यक्रम प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्र. जयकुमार निशांत भैया जी के निर्देशन में सबसे पहले प्रातः बेला में मंगलाष्टक, दिग्बन्धन किया गया इसके बाद मूलनायक अरनाथ भगवान का अभिषेक और शांतिधारा की गई जिसमें श्रद्धालुओं ने अगाध श्रद्धा-भक्ति नृत्य के साथ भाग लेकर पुण्यार्जन किया। आज के शांतिधारा विधान एवं अरहनाथ भगवान मोक्ष कल्याणक महोत्सव के पुण्यार्जक परिवार प्रियंग सुंदरी अमित हर्षिता करनाल हरियाणा , मोतीलाल जी जैन दिल्ली सपरिवार, राजेंद्र जैन अकलंक जैन सपरिवार सूरजमल विहार दिल्ली, जगदीश जी जैन सोनीपत, बृजेश जैन दिल्ली , हरिश्चंद्र जैन भोपाल सपरिवार, सुरेश सोनीपत, डॉ. प्रदीप शर्मिला जैन समस्त पुष्प परिवार छतरपुर , विमल प्रसाद जैन दिल्ली, अर्चना साहिबाबाद, अखिलेश जैन बरायठा आदि ने शांतिधारा, निर्वाण लाडू का पुण्यार्जन किया।

वेद ज्ञान

अभ्यास है मन की शक्ति विश्राम नहीं

भौतिकवादी समाज की कुरीतियों में काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि मनोविकार मनुष्य के मन पर अधिकार बनाए हुए हैं और अवसर पाते ही अपना दुष्प्रभाव दिखाने लगते हैं। बड़े से बड़े महात्मा हों या उच्चाधिकारी आत्मसंयम के अभाव में अपनी प्रतिष्ठा खो बैठते हैं। ये मनुष्य जीवन में अनेक बाधाएं डालकर उसे निराशपूर्ण बना देते हैं। इनकी प्रतिद्वंद्विता में आत्मसंयम का सहारा ले लिया जाए तो मनुष्य जीवन की सफलता में संदेह नहीं रहता। इन पर काबू पाना या अपने को वश में करना जगत को जीत लेना है। साधारण मनुष्य की तो बात ही क्या बड़े-बड़े सम्राट भी काम के अधीन हो आत्मसंयम को तिलांजलि दे डालते हैं और मुश्किल में फंस जाते हैं। इतिहास प्रमाण है कि गांधीजी ने क्रोध पर नियंत्रण करके प्रेम और अहिंसा के अस्त्रों द्वारा अंग्रेजी साम्राज्य का अंत किया। बुद्ध ने राजसी वैभव के मोह और लालच को त्यागा तभी वह सत्य की साधना कर सके। जो व्यक्ति इंद्रियों के दास होते हैं वे इंद्रियों की इच्छाशक्ति पर नाचते हैं। संयमहीन पुरुष सदा उत्साह-शून्य, अधीर और अविवेकी होते हैं। इसलिए उन्हें क्षणिक सफलता भले मिल जाए, पर अंततः उन्हें बदनामी और पराजय ही मिलती है। आत्मसंयमी व्यक्तियों में सर्वदा उत्साह, धैर्य और विवेक रहता है जो उनकी सफलता की राह तय करते हैं। मानव की सबसे बड़ी शक्ति मन है इसलिए वह मनुज है। मन की शक्ति अभ्यास है, विश्राम नहीं। इसलिए तो मन मनुष्य को सदा किसी न किसी कर्म में रत रखता है। आत्मसंयम को ही मन की विजय कहा गया है। गीता में मन विजय के दो उपाय बताए गए हैं-अभ्यास और वैराग्य। यदि व्यक्ति प्रतिदिन त्याग या मोह मुक्ति का अभ्यास करता रहे तो उसके जीवन में असीम बल आ सकता है। यह कुछ महीने की देन नहीं होती है, बल्कि एक लंबे समय की जरूरत है। फिर तो दुनिया उसकी मुट्ठी में होगी। एक बार मोह- माया से विरक्त हो जाएं तो वैराग्य मिल जाएगा। भारत में आक्रमणकारी शताब्दियों तक लड़ाई जीत कर भी भारत को अपना नहीं सके, क्योंकि उनके पास नैतिक बल नहीं था। शरीर के बल पर हारा शत्रु बार-बार आक्रमण करने को उद्धत होता है, परंतु मानसिक बल से परास्त शत्रु स्वयं-इच्छा से चरणों में गिर पड़ता है। इसलिए तो हम प्रार्थना करते हैं कि हमको मन की शक्ति देना, मन विजय करें, दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें।

संपादकीय

एक बहुत बड़ी समस्या बन गया है अंतरिक्ष का कचरा

अंतरिक्ष में उपग्रहों का कचरा संकट बनता जा रहा है। इसके मद्देनजर दुनिया के वैज्ञानिक एक प्रभावशील अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाध्यकारी संधि की जरूरत रेखांकित कर रहे हैं। सामाजिक, शैक्षिक, संचार और पर्यावरणीय जरूरतों को देखते हुए उपग्रह प्रौद्योगिकी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है। ऐसे में आशंका है कि अंतरिक्ष उद्योग की वृद्धि पृथ्वी की कक्षा के बड़े हिस्से को कहीं अनुपयोगी न बना दे। पृथ्वी की कक्षा में फिलहाल करीब नौ हजार उपग्रह हैं, जो 2030 तक बढ़ कर साठ हजार हो सकते हैं। अंदाजा यह भी है कि पुराने उपग्रहों के सौ लाख करोड़ से अधिक टुकड़े पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगा रहे हैं। उपग्रह प्रौद्योगिकी और समुद्र में प्लास्टिक प्रदूषण समेत विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विशेषज्ञों के अंतरराष्ट्रीय संघ ने कहा है कि इस पर तत्काल वैश्विक सर्वसम्मति बनाने की आवश्यकता है, जिससे पृथ्वी की कक्षा को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सके। हालांकि इस परिप्रेक्ष्य में

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने उम्र पूरी कर चुके उपग्रहों को वापस लाने का अभियान शुरू कर दिया है। हाल में उसने अपनी सेवा पूरी कर चुके उपग्रह मेघा-ट्रापिक्स-1 (एमटी-1) को पृथ्वी की निचली कक्षा में पुनः प्रवेश करा कर प्रशांत महासागर में गिरा दिया। इस उपग्रह का वजन लगभग एक हजार किलोग्राम था। इसरो ने बताया कि इसमें करीब सवा सौ किलोग्राम ईंधन बाकी था, जो संकट पैदा कर सकता था। इसलिए इसे प्रशांत महासागर के निर्जन क्षेत्र में नष्ट कर दिया गया है। पर उपग्रहों का यह कचरा समुद्र में भी प्रदूषण का बड़ा कारण बन रहा है। बंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजंसी से छोड़े गए इस एमटी-1 का जीवनकाल मूल रूप से तीन साल का था। यह उपग्रह 2021 तक क्षेत्रीय और वैश्विक जलवायु से जुड़ी डेटा संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराता रहा। अगर इसे पृथ्वी की कक्षा में ही बने रहने दिया जाता तो यह सौ साल तक कक्षा में चक्कर काटता रहता। ईंधन अधिक मात्रा में होने के कारण इसके टूटने, टकराने या पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे इसी तरह के किसी अन्य कचरे से टकराने की आशंका थी। इसलिए इसे पूरी तरह नष्ट किया जाना आवश्यक था। संयुक्त राष्ट्र के इंटर एजंसी अंतरिक्ष मलबा समन्वय समिति (यूएन/ आइएडीसी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार इसे विघटित करके पूरी तरह नष्ट किया गया। अंतरिक्ष में बड़ी संख्या में उपग्रह कबाड़ बन कर भटक रहे हैं। इनकी संख्या करीब सौ लाख है, जो पच्चीस से अट्ठाईस हजार किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से पृथ्वी की कक्षा में अनवरत चक्कर काट रहे हैं। इन्हें केवल प्रक्षेपास्त्र से नष्ट किया जा सकता है। इस मानव निर्मित मलबे को साफ करने के लिए जापान और अमेरिका की अनेक एजंसियां लगी हुई हैं। कई देशों की निजी कंपनियां भी इस क्षेत्र में अपने भविष्य को एक बड़े कारोबार के रूप में देख रही हैं। भारत ने इस दिशा में पहल करते हुए एमटी-1 को नष्ट करके धाक जमा ली है। साफ है कि भारत इस काम में भी अब एक नए कारोबारी के रूप में उभरेगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सत्ता का खेल...

पिछले विधानसभा चुनाव के वक्त तृणमूल कांग्रेस के बहुत सारे नेता भाजपा में चले गए थे, पर चुनाव नतीजों के बाद उनमें से अधिकतर वापस लौट आए। इसी से स्पष्ट हो गया था कि वहां के नेताओं में सत्तापक्ष की बदले की कार्रवाइयों का भय कितना काम करता है। जो पहले तृणमूल छोड़ कर गए थे, उन्हें तब यही लगा था कि सरकार भाजपा की बनेगी और वे सुरक्षित रहेंगे, मगर नतीजे उसके उलट आए तो वे इसी भय से वापस लौट आए कि सत्तापक्ष उन्हें परेशान कर सकता है। जो भाजपा में रह गए, वे सत्तापक्ष के निशाने पर हैं। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही तृणमूल छोड़ कर भाजपा में चले गए और ममता बनर्जी को सीधे चुनौती देते आ रहे शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ शिकंजे कसने शुरू हो गए थे। हालांकि भ्रष्टाचार के मामले में अधिकारी के खिलाफ केंद्रीय जांच एजंसियां पहले से जांच कर रही थीं, मगर उनके भाजपा में शामिल होने के बाद वे ठहर गई थीं। फिर पश्चिम बंगाल सरकार ने उनके खिलाफ मुकदमे दायर कराए। इसे लेकर अधिकारी ने कोलकाता उच्च न्यायालय में निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई थी। मगर वहां से कोई सकारात्मक निर्देश न मिल पाने की वजह से उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिख कर गुहार लगाई कि पश्चिम बंगाल सरकार विपक्षी नेताओं के खिलाफ झूठे और मनगढ़ंत मुकदमे थोप कर परेशान कर रही है। इस पर गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट तलब की है। हालांकि केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच भी रिश्ते लगातार तनावपूर्ण बने रहते हैं। ममता बनर्जी केंद्र के हर फैसले को चुनौती देती देखी जाती हैं। इसलिए वे गृह मंत्रालय के ताजा निर्देश पर कितना सकारात्मक रुख दिखाएंगी, समझा जा सकता है। अगर गृह मंत्रालय इस मामले को तूल देगा, तो वे उसे सियासी रंग देने से परहेज नहीं करेंगी। राजनीतिक दलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा लोकतंत्र के हित में होती है, मगर अब इसका लोप होता देखा जा रहा है। सत्ता में आते ही राजनीतिक पार्टियां अपने प्रतिद्वंद्वी को प्रायः रंजिश और बदले की भावना से सबक सिखाने का प्रयास करती हैं। ममता बनर्जी इस मामले में कुछ अधिक आक्रामक रुख अपनाती हैं। वे तो अपने किसी कार्यकर्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने पर खुद थाने तक में पहुंच जाती हैं। अगर उनके खिलाफ कोई व्यंग्य-चित्र बनाता है, तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाता है। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ उनके कार्यकर्ताओं का खूनी संघर्ष अनेक मौकों पर देखा जा चुका है। जबकि एक राज्य की मुखिया होने के नाते उनसे संतुलित व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। हालांकि इस मामले में वे अकेली नहीं हैं। दूसरे राज्यों में भी यह प्रवृत्ति मौजूद है। खुद केंद्र सरकार भी ऐसे व्यवहार को लेकर लगातार सवालों के घेरे में बनी रहती है।

क्या हर दिन ही सफोला मसाला ओट्स खाना फायदेमंद है?

सफोला सहित भारतीय कंपनियां ऑस्ट्रेलिया से अपने जई खरीदती हैं। ज्यादातर हिस्सों में जई मशीन की खेती करके पैदा किए जाते हैं, ऑस्ट्रेलिया के अनाज के बड़े खेतों में उगाए जाते हैं और आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ढेर सारे बनावटी उर्वरक और रसायनों भी इस्तेमाल मे लाया जाता है। कुछ भी चीज जिसे रसायनों के मदद से उगाया गया है, वह शुरू-शुरू में स्वस्थ नहीं होता है। ऑस्ट्रेलियाई जई को लेकर भी ठीक यही बात है। अगर आप इन ओट्स को रोजाना खाते हैं तो आप अपने सेहत को खराब कर लेंगे, चाहे उसे एक नामी कंपनी पैक करके बेच क्यों न रही हो। सफोला को आपके सेहत की कोई परवाह नहीं रहती - दिन भर में जितना हो सके उतना मुनाफा कमा लें, बस उसी का खयाल है। इसलिए अगर आप बहुत पहले ही से ओट्स के बारे में एड और प्रचार देखते आ रहें हैं तो आपको अंदाजा लगाने में कोई दिक्कत नहीं होगी कि लंबे समय तक खुराक लेते रहने से वे आपके सेहत पर बुरा असर डाले कर जाते हैं। जई के बजाय हम देश के विभिन्न हिस्सों से पैदा तरह तरह के के बाजरे ले सकते हैं। और हाँ, ये बाजरे ऑस्ट्रेलियाई जई के जैसे नहीं बल्कि, छोटे- छोटे खेतों में खयाल रखकर उगाए जाते हैं। रागी, समाई, थिनाई, कोदो, झंगोरा कुछ और नाम हैं। इन बाजरों से नाश्ते में दलिया या उपमा बनाया जा सकता है। जो लोग पैनकेक पसंद करते हैं उनके लिए बाजरे के पकोड़े या चीला बना सकते हैं। यह अंतराष्ट्रीय बाजरा वर्ष है। कभी जनता पौष्टिक बाजरे को मुख्य भोजन के तौर पर लेती थी। पर गेहूँ के चलन के वजह से बाजरे बाजार से बाहर हो गए। दोबारा से किसानों को बाजरे की खेती से बढ़ावा देने की कवायद है। बाजरे का नया नाम ''श्री अन्न'' है।

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

अंतर्मना प्रसन्न सागर जी प्रवचन सार

शाबाश इंडिया

खरीद लो-दुनिया के सारे भोग विलास ऐशों आराम..
जब इन सबसे थक जाओ - हार जाओ - निराश हो जाओ, तो फिर हमें बताना ह्न सुख-शान्ति आनंद प्रेम सुकून के दाम क्या है? कभी आपने ध्यान दिया हो - दुनिया की हर चीज में तीन भाव पैदा होते हैं जैसे नदी- खूब खुशी देती है, कभी रुलाती है, तो कभी अपनी सुन्दरता की छटा बिखेरती है। लोग नदीयों की सुन्दरता देखने कहां-कहां नहीं जाते हैं। लोग नदी किनारे खड़े होकर घन्टो गुजार देते हैं। उसकी वरदानी छाव में, शीतल हवा, मन को मोहने वाली लहरें देखकर कौन खुश नहीं होगा? इतिहास साक्षी है हमारे साधु सन्तों ने, त्यागी तपस्वियों ने, प्रकृति का बहुत सम्मान किया। आज भी जैन साधु साध्वी - वनस्पति को तोड़ते नहीं, जल को अनावश्यक बहाते नहीं, अग्नि जलाते नहीं, रहने के लिए घर बनाते नहीं, पेट भरने के लिये भीख मांगते नहीं। साधु सन्तों ने, तीर्थंकर भगवन्तों ने प्रकृति को देवी कहकर, पेड़ पौधे में जीव बताकर उसका सरंक्षण किया। भोग विलास और सुविधा भोगी मनुष्य ने प्रकृति के साथ अपने पवित्र रिश्तों को खत्म कर दिया। परिमाणतः भोग विलास के भौतिक संसाधन से मनुष्य जीवन में खतरा पैदा हो गया, क्योंकि पर्यावरण का असन्तुलन, जल की कमी, वायु का परिवर्तन ने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। आज ना शुद्ध हवा है, ना शुद्ध पानी, ना शुद्ध आनाज, ना शुद्ध साग सब्जी, ना शुद्ध फल फूल। प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने का अर्थ है अपने जीवन के साथ खिलवाड़ करना। हम प्रकृति का उपकार मानते हुए उसे धन्यवाद दें और स्वयं धन्य बनें। क्योंकि जो प्रकृति की कद्र करते हैं, प्रकृति उनका सम्मान करती है....!!!.. **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

होली स्नेह मिलन समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सम्पन्न

निवाई. शाबाश इंडिया। निवाई मे धर्म प्रभावना महिला मण्डल के तत्वावधान में गंगा जमुना गार्डन मे आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित हुआ जिसमें नन्हें मुन्ने बालिकाओ ने मंगलाचरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस शहर अध्यक्ष पारसमल पहाड़ी थे। कार्यक्रम में नायरा पाटनी निशिता सोगानी आशी जैन बेस्ट डान्स करने के विनर रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पारसमल पहाड़ी ने कहा कि हमें अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए बहुमुखी व्यतित्व का विकास करने एवं परिवार समाज राष्ट्र व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित बनने के लिए संगठन की परम आवश्यकता है। मण्डल की प्रचार संयोजक संजू जौंला उर्मिला सोगानी एवं बीना सोगानी के नेतृत्व में धर्म प्रभावना महिला मण्डल एवं मुख्य अतिथि रहे कांग्रेस शहर अध्यक्ष पारसमल पहाड़ी ने विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया। कार्यक्रम में ढेर सारी इनामों के साथ एक लक्की ड्रा भी निकाला गया जिसके विजेता चन्द्र प्रकाश जैन रहे। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि धर्म प्रभावना महिला मंडल निवाई की ओर से विजेताओं को चांदी के सिक्के पुरस्कार के रूप में दिये गए। कार्यक्रम में कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता, रिंगदौड़ प्रतियोगिता, बिंदी पेस्ट प्रतियोगिता, सहित बाल कलाकारों द्वारा नाट्य प्रतियोगिता, सहित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान डी जे की धुन पर मारवाड़ी, फिल्मी एवं धार्मिक गानों पर डान्स की प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर ताराचंद मोठूका, दिनेश सोगानी, विमल पाटनी, राजेन्द्र पहाड़ी, दिनेश मोठूका, नरेन्द्र सोगानी, अभय जैन, सोभागमल सोगानी, धीरज जैन, विमल सोगानी अशोक जैन, पारसमल बडागांव, कमल खणदेवत, नरेश हथौना, पदमचंद जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे।

जैन मुनियों का जम्बू स्वामी तपोस्थली बोल खेड़ा पर हुआ मंगल प्रवेश

तपोभूमि बोलखेड़ा साधकों की साधना का अति उत्तम स्थल : मुनि ज्ञानानंद महाराज

बोलखेड़ा. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के अंतिम अनुबंध केवली भगवान जम्बू स्वामी की तपोस्थली बोल खेड़ा पर दिगंबर जैन आचार्य वसुनंदी महाराज के शिष्य मुनि ज्ञानानंद महाराज का ससंघ मंगल प्रवेश हुआ तो प्रबंधकारिणी समिति ने मुनि संघ की पाद प्रक्षालन व आरती उतारकर की आगवानी। तपोस्थली के प्रचार प्रभारी संजय जैन बड़जात्या ने बताया की दिगम्बर जैन मुनि संघ का पद्मप्रभु अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जयपुर से लगभग 220 किलोमीटर का पद विहार करते हुए तपोस्थली बोलखेड़ा पर मंगलवार सांय मंगल प्रवेश हुआ। मुनि संघ में मुनि ज्ञानानंद महाराज के साथ मुनि संयमानंद महाराज,मुनि शिवानन्द महाराज,मुनि प्रशमानंद महाराज व दो क्षुल्लक महाराज का भी क्षेत्र पर पदार्पण हुआ।

भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारसनाथ जैन मंदिर, चंद्रप्रभु नसिया, त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर, तथा कस्बे के सभी जिनालयों सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लदाना, के जिनालयों में आज जैन धर्म के 14वें तीर्थंकर अनन्तनाथ भगवान का ज्ञान एवं मोक्ष कल्याणक तथा 18 वें तीर्थंकर अरहनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव के साथ जोर शोर से मनाया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने मीडिया को अवगत कराया कि कार्यक्रम में इससे पूर्व अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा हुई, तथा पूजा के दौरान अनन्तनाथ भगवान का ज्ञान एवं मोक्ष कल्याणक, तथा अरहनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक का निर्वाण लाडू एवं अर्घ्य सामूहिक रूप से भक्ति भाव के चढ़ाया गया, कार्यक्रम में फागी जैन समाज के समाजसेवी मोहनलाल लाल झंडा,केलास उनियारा, सोहनलाल झंडा, सुरेश सांघी,चम्पालाल जैन, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा,पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, कैलाश कासलीवाल, सुरेश सांघी, महावीर मोदी,पदम बजाज, राजेश छाबड़ा, एडवोकेट रवि जैन, विमल कलवाडा, कमलेश सिंघल, विमल चौधरी त्रिलोक जैन पीपलू वाले तथा राजाबाबू गोधा सहित समाज के काफी श्रावक श्राविकाऐं मौजूद थे।

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी ज्योति नगर जयपुर में

जैनधर्म के 14वें व 18वें तीर्थंकर अनन्त नाथ व अर नाथ भगवान का मनाया मोक्ष कल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मन्दिर में मंगलवार चैत्य कृष्णा अमावस्या को भगवान के श्री चरणों में अपने समस्त दुखों की निर्वृत्ति हेतु अर्थात निर्वाण की भावना के साथ दो तीर्थंकर भगवान श्री 1008 अनन्त नाथ व भगवान श्री 1008 अर नाथ के मोक्ष कल्याण पर निर्वाण लाडू समर्पित किया गया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम बिलाला ने बताया कि 14 वें तीर्थंकर श्री अनन्त नाथ जी का प्रतीक चिह्न सेही था व इनका निर्वाण स्वयं भू कूट सम्मेदशिखर से हुआ था तथा 18 वें तीर्थंकर श्री अर नाथ का प्रतीक चिन्ह मच्छ था व इनका निर्वाण नाटक कूट सम्मेदशिखर से हुआ था। प्रातः अभिषेक शान्तिधारा व पूजन के बाद निर्वाण काण्ड वाचन कर भगवान के निर्वाण कल्याणक को लाडू समर्पित कर सामूहिक रूप से धर्म प्रभावना के साथ अर्घ बोलते हुए जयकारों के साथ मोक्ष कल्याणक मनाया गया जिसमे समाज के गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता रही।

ऑल इंडिया भैरव दरबार संस्था ने अमावस्या पर अन्नदान किया

बैंगलोर. शाबाश इंडिया। कंपेगौड़ा स्थित महाराजा कंपलेक्स के प्रांगण में अमावस्या के अवसर पर गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए अन्नदान का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें ऑल इंडिया भैरव दरबार के संस्थापक अध्यक्ष महेश चौधरी ने अपने स्वर्गीय माता- पिता की पुण्य स्मृति में यह अन्नदान किया, अन्नदान कार्यक्रम में लगभग 1000 से भी ज्यादा जरुरतमंदो को भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर ऑल इंडिया भैरव दरबार के संस्थापक अध्यक्ष महेश चौधरी, महावीर जैन, जय चौधरी, जिनदत्त चौधरी दिशांत, लता गुलेच्छा, कीर्ति गुलेच्छा, मयंक, नेहा,प्रकाश, पवन, बाबू एवं सैयद आदि उपस्थित थे। संस्थापक अध्यक्ष महेश चौधरी ने प्रति अमावस्या अपने परिवार की तरफ से अन्नदान के कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है ।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप का होली स्नेह मिलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मेन के तत्वावधान में होली स्नेह मिलन कार्यक्रम श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मालवीय नगर में आयोजित किया गया। भक्तामर पाठ एवं णमोकार मंत्र से प्रारंभ होकर आकर्षक हाऊजी व होली के गीतों के साथ आगामी मॉरीशस की विदेश यात्रा की रूपरेखा पर चर्चा की गई। तत्पश्चात श्री महावीर जी कमेटी के मानद मंत्री महेन्द्र पाटनी साहिब ने 3 अप्रैल को महावीर जयंती के अवसर पर होने वाले प्रोग्राम पर विस्तार से सभी को अवगत कराया। ग्रुप के अध्यक्ष महेन्द्र छाबड़ा व मंत्री डॉ राजेन्द्र रांवका ने भी इस पर प्रकाश डाला। ग्रुप के संस्थापक व परम संरक्षक महेन्द्र पाटनी को माला एवं साफा पहनाकर सम्मान किया। जन्मदिवस व वैवाहिक वर्षगांठ शुभकामनाओ का संचालन कार्यक्रम संयोजक प्रमोद जैन भँवर ने किया।

जैन सोशल ग्रुप सिद्धा का होली मिलन समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप सिद्धा ने अपने दंपति मेंबर्स के साथ झोटवाड़ा स्थित कंचन दीप गार्डन में आयोजित किया। जेएसजी सिद्धा के संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार - सीमा पाटनी ने बताया कि फूलों की होली मस्ती धमाल का कार्यक्रम किया गया। अध्यक्ष निर्मल-तारा पांड्या एवं सचिव सौरभ - रतिका गोधा ने बताया कि सिद्धा परिवार के सभी दंपति सदस्यों ने खूब जमकर के फूलों की होली के साथ-साथ डांस मस्ती की। उपाध्यक्ष दिनेश - नीलम काला एवं कोषाध्यक्ष सुरेंद्र- संगीता छाबड़ा एवं सह सचिव अंजन-आकांक्षा ने बताया कि ग्रुप द्वारा होली धमाल कार्यक्रम में सभी को मस्ती भरी होली से संबंधित हाउजी खेली। कार्यक्रम समापन पर सभी का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम संयोजको ने महेश - पूनम बाछल, नीरज - नीता पाटनी, प्रमोद - प्रतिमा छाबड़ा, अंकित - पारुल काला, दीपक - अतिशा सेठी, राहुल - प्रीति सोगानी ने। अंत में ग्रुप सचिव सौरव - रितिका ने सफल आयोजन के लिए सयोजको का आभार व्यक्त किया ।

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवं

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के तत्वावधान में

मुख्य प्रायोजक R K GROUP WONDER CEMENT

सह प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

सह प्रायोजक समाचार जगत

सीतापुरा इण्डस्ट्रीज ऐसोसिऐशन द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर

GIVE BLOOD GIVE LIFE

प्रात : 10 से 5 बजे तक
बुधवार,22 मार्च 2023

स्थान - कार्यालय भवन, सीतापुरा
इण्डस्ट्रीज ऐसोसिऐशन, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

निलेश अग्रवाल अध्यक्ष
सुभद्र पापडीवाल संरक्षक
अनिल संघी संयोजक
शोभित शर्मा महा सचिव

जय किशन खत्री, नरेश चोपडा, पवन लश्करी, राजीव बागला, राजीव दिवान, संजीव गुप्ता, राजीव अग्रवाल,आकाश गुप्ता,अनिल कुमार पारीक, गोविन्द बंसल, मनोज गुजरानी, प्रेम चंद खत्री, नितिन गर्ग, राजीव नागोरी,राजेश कुमार अग्रवाल, सुरेन्द्र सिंह राजावत, अजय मालपानी, दिनेश कुमार अग्रवाल, फूल चंद मीणा, सुनीत कुमार बाकलीवाल,योगेश अग्रवाल, कमल जैन, ललीत आहूजा, मनोज कुमार जैन, सिद्धार्थ झालानी

श्री अखिल भारतीय अग्रवाल जिला सम्मेलन कोटा द्वारा ओम जैन सर्राफ का सम्मान किया गया

कोटा. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय अग्रवाल जिला सम्मेलन कोटा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह एवं फागउत्सव के आयोजन के दौरान अग्रवाल डायमंड के चेयरमैन एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन कोटा के महासचिव, समाज सेवी एवं इस युग की सर्वाधिक दीक्षा प्रदात्री, भारत गौरव सम्मान से सम्मानित, परम पूज्या, सिद्धांत रत्न, गणनी प्रमुख आर्यिका 105 श्री विशुद्धमति माताजी एवं परम पूज्या गणिनी आर्यिका प्रज्ञा पद्मनी आर्यिका 105 श्री विज्ञमती माताजी एवं ससंघ के परम भक्त एवं मां विशुद्धमति राष्ट्रीय कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला कोटा के संरक्षक एवं सलाहकार मंडल के सदस्य एवं श्री अग्रवाल एलिट क्लब के डायरेक्टर ओम जैन सर्राफ को दुपट्टा पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया,,यह सम्मान अखिल भारतीय अग्रवाल जिला सम्मेलन कोटा की ओर से किया। इस अवसर पर जयपुर से पधारी मिस मॉडल एक्टर सेलिब्रिटी मेहमान रितिका गुप्ता एवं अखिल भारतीय अग्रवाल जिला सम्मेलन के जिलाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल एवं जिला महामंत्री पी पी गुप्ता, वैश्य समाज के अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन राष्ट्रीय वरिष्ठ युवा उपाध्यक्ष हेमराज जिंदल, अग्रवाल जिला सम्मेलन कोटा की महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती संतोष गुप्ता, आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अपेक्स यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित भजन संध्या में अनुराधा पौडवाल ने बहाई भक्ति रस की गंगा

अपेक्स ग्रुप के संस्थापक स्वर्गीय डॉ. सागरमल जूनीवाल की पांचवी पुण्यतिथि पर हुआ भक्ति संगीत का कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

पदमश्री अवार्ड से सम्मानित मशहूर गायिका अनुराधा पौडवाल ने 'नवकार मंत्र', 'आओ करें भक्ति भोलेनाथ की..', 'अच्युतम केशवम राम नारायणम... सहित जब अपनी सुमधुर वाणी से भजनों को सुनाना शुरू किया तो सभी भक्त और श्रोतागण भक्ति रस में झूमने को मजबूर हो गए। मौका था अपेक्स ग्रुप व संजय शिक्षा समिति के संस्थापक स्वर्गीय डॉ. सागरमल जूनीवाल की पांचवी पुण्यतिथि पर अपेक्स यूनिवर्सिटी की ओर से आयोजित भजन संध्या का। तयशुदा कार्यक्रम में शामिल होने आई मशहूर गायिका अनुराधा पौडवाल ने अपनी स्वर लहरी से हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होनें ' हे राम तुम्हारे चरणों में नमन है बारंबार...'को सुनाकर श्रद्वांजलि देते हुए भक्ति संगीत की सरिता बहायी। इसके साथ ही जब अनुराधा पौडवाल ने अपनी चिर-परिचित मधुर आवाज में 'देना हो तो दीजिए जन्म-जन्म का साथ...' गाया तो पूरा कैंपस तालियों से गूंज उठा। अनुराधा पौडवाल ने अपनी सुमधुर भजन गायकी की सौंधी खुश्बू बिखेरकर उपस्थित हजारों दर्शकों के अंतस को महकाया। भजन संध्या में कन्हैया तू तो है बड़ा चित चोर, राधे राधे जपो चले आएंगे बिहारी.... की प्रस्तुति दी तो उसके बाद श्रोता ऐसे तल्लीन होकर जुड़े कि उनके खिलौना माटी का...., राम ना मिलेंगे हनुमान के बिना.., अजब है तेरी माया...., तेरा नाम सबके लब पे सुबह शाम हो..., हे राम तुम्हारे चरणों में नमन है बारंबार...., हे दुख भंजन मारुति नंदन सुन लो मेरी पुकार.... सरीखे भजनों की पेशकश पर पूरे समय के लिए श्रोता टस से मस नहीं हुए। भोर भई दिन चढ़ गया मेरी अंबे...., माता तेरे चरणों की.... ऐसे भजन रहे जिन्हें सुनकर अपेक्स कैम्पस का सारा प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट से गूँजता रहा। इससे पूर्व कार्यक्रम का

शुभारम्भ शिक्षाविद् स्वर्गीय डॉ. सागरमल जूनीवाल के चित्र के समक्ष उनकी धर्मपत्नी निर्मला देवी जूनीवाल द्वारा दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण से हुआ। डॉ. जूनीवाल की पुत्र-वधू डायरेक्टर, अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल डॉ शीतल जूनीवाल ने उनकी जीवन यात्रा का वर्णन करते हुए बताया कि डॉ. जूनीवाल ने सन् 1965 में प्राथमिक विद्यालय खोलकर अपनी अथक शैक्षिक यात्रा की शुरूआत की जो कि आज अपेक्स यूनिवर्सिटी के रूप में वटवृक्ष बनकर एकेडमिक, टैक्निकल एवं प्रोफेशनल एज्यूकेशन के अन्तर्गत आज देश को गुणवत्तायुक्त, विश्वस्तरीय तकनीकी एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान कर रही है। अपेक्स यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ. रवि जूनीवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। संजय शिक्षा समिति के सचिव मनोज जूनीवाल ने अनुराधा पौडवाल को स्मृति चिन्ह भेंट कर व पुत्रवधु सुनिता जूनीवाल ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। डायरेक्टर वेदांशु जूनीवाल ने उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।